संकट मोचन हनुमान अष्टक

॥ प्रथम पद ॥

बाल समय रवि भक्षि लियो तब,

तीनहुँ लोक भयो अँधियारो।

ताहि सों त्रास भयो जग में,

यह संकट काहु सों जात न टारो।

देवन आनि करी विनती तब,

छांड़ि दियो रवि कष्ट निवारो।

को नहिं जानत है जग में कपि,

संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ द्वितीय पद ॥

बालि की त्रास कपीस बसै गिरि,

जात महाप्रभु पंथ निहारो।

चौंकि महामुनि शाप दियो तब,

चाहिय कौन विचार विचारो।

कै द्विज रूप लिवाय महाप्रभु,
सो तुम दास के सोक निवारो
को नहिं जानत है जग में कपि,
संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ तृतीय पद ॥

अंगद के संग लेन गये सिय,
खोज कपीस यह बैन उचारो।
जीवित ना बचिहौं हम सों जु,
बिना सुधि लाय इहाँ पगु धारो।
हेरि थके तट सिंधु सबै तब,
लाय सिया सुधि प्राण उबारो।
को नहिं जानत है जग में कपि,
संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ चतुर्थ पद ॥

रावण त्रास दई सिय को तब,
राक्षसि सों कहि सोक निवारो।

ताहि समय हनुमान महाप्रभु,

जाय महा रजनीचर मारो।

चाहत सीय अशोक सों आगि सु,

दै प्रभु मुद्रिका सोक निवारो।

को नहिं जानत है जग में कपि,

संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ पंचम पद ॥

बाण लग्यो उर लछिमन के तब,

प्राण तज्यो सुत रावण मारो।

लै गृह वैद्य सुषेन समेत,

तबै गिरि द्रोण सुबीर उपारो।

आनि संजीवन हाथ दई तब,

लछिमन के तुम प्राण उबारो।

को नहिं जानत है जग में कपि,

संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ षष्टम पद ॥

रावण युद्ध अजान कियो तब,
नाग के फाँस सबै सिर डारो।
श्रीरघुनाथ समेत सबै दल,
मोह भयो यह संकट भारो।
आनि खगेस तबै हनुमान जु,
बंधन काटि सुत्रास निवारो।
को नहिं जानत है जग में कपि,
संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ सप्तम पद ॥

बंधु समेत जबै अहिरावण,
लै रघुनाथ पाताल सिधारो।
देवहिं पूजि भली विधि सों बलि,
देउ सबै मिलि मंत्र बिचारो।
जाय सहाय भयो तब ही,
अहिरावण सैन्य समेत संहारो।
को नहिं जानत है जग में कपि,

संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ अष्टम पद ॥

काज किये बड़ देवन के तुम,

वीर महाप्रभु देखि बिचारो।

कौन सो संकट मोर गरीब को,

जो तुमसों नहिं जात है टारो।

बेगि हरो हनुमान महाप्रभु,

जो कछु संकट होय हमारो।

को नहिं जानत है जग में कपि,

संकटमोचन नाम तिहारो॥

॥ दोहा ॥

लाल देह लाली लसे,

अरू धर लाल लँगूर।

बज्र देह दानव दलन,

जय जय जय कपि सूर॥

1

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल